"बिटिया, बिटिया की सुन वानी"

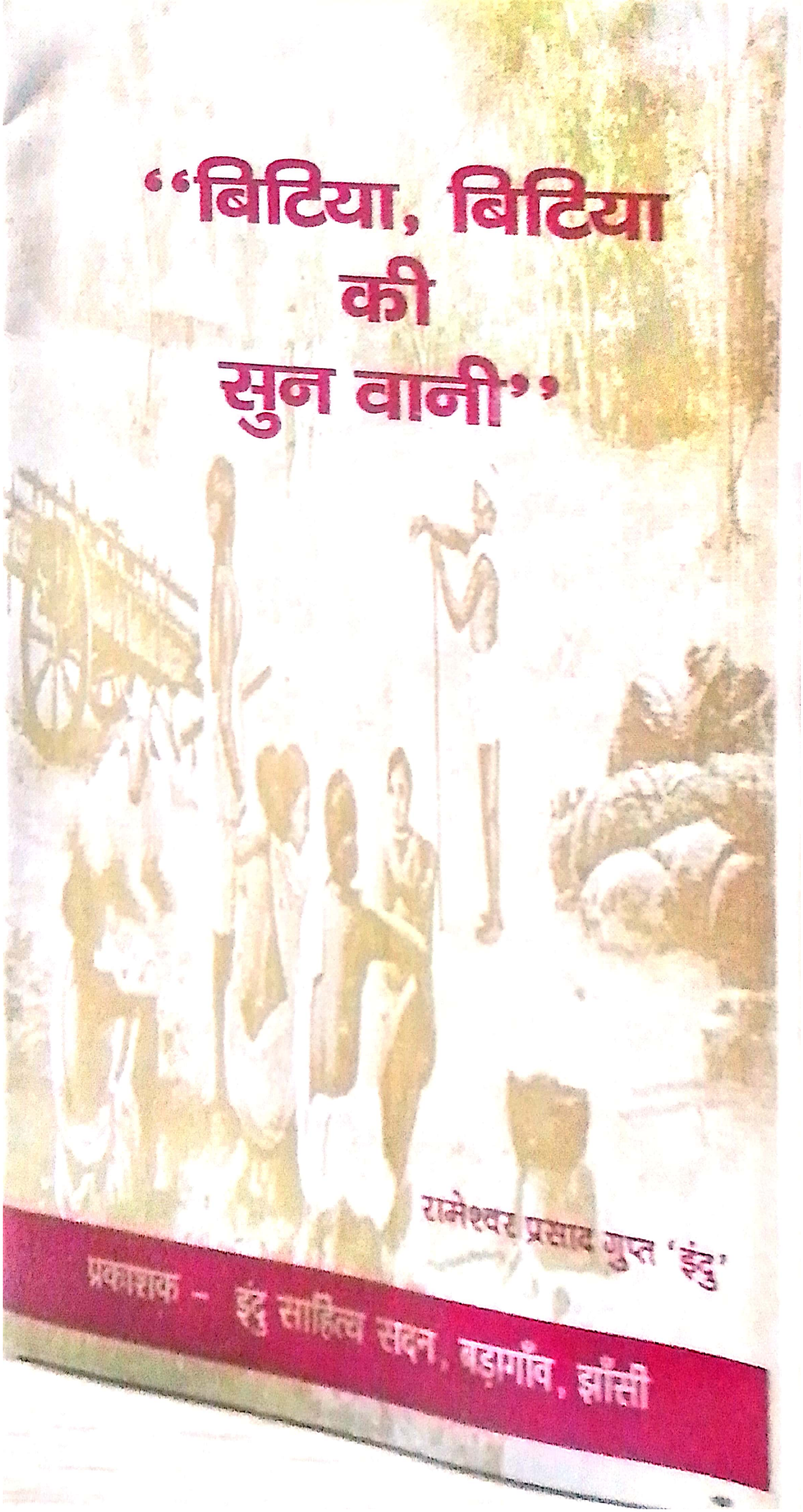

रामेश्वर प्रसाद गुप्त 'इंदु'

प्रकाशक - इंदु साहित्य सदन, बड़ागाँव, झाँसी

इंदु साहित्य सदन
बड़ागाँव, झाँसी, 284121 उ० प्र०

रचयिता
रामेश्वर प्रसाद गुप्त 'इंदु'

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण 2013

प्रतियाँ – 1000

मूल्य – 40 रू0

आवरण एवं शब्द संयोजन –
भारत सुहाने, 218, डरू भौंडेला, झाँसी

मुद्रक
पल्लवी कार्डस एण्ड आफॅसेट
बड़ामठ, गुसाईपुरा, झाँसी, उ0प्र.

Bitiya, Bitiya Ki Sun Vani -
By Ramesh...

Scanned with OKEN Scanner

विश्व की सभी बेटियों को

सादर समर्पित

बिटिया, लाड़ प्यार अति दैकें, करें समर्पित नैकें।।
जा सें उरिन कबहुँ न होनें, जो जीवन में रैकें ।।
भूल चूक सब माफी करियो, धरियो चित में लैकें।।
कयें "इंदु" कै–कै चौकड़ियाँ, महिमा हारे कैकें।।

रामेश्वर प्रसाद गुप्त "इंदु"

ग्रन्थ विमोचन एवं सम्मान समारोह में प्रतिभाग करते
उदीयमान कवि रामेश्वर प्रसाद गुप्त ''इन्दु''

श्रीमंत महाराज रणजीतसिंह जू देव के सम्मान समारोह के अवसर पर
अभिनन्दन एवं काव्य पाठ करते रामेश्वर प्रसाद गुप्त ''इन्दु''

Scanned with OKEN Scanner